Day .....

APRIL MONTH

पत्र लेखन - अनौपचारिक पत्र
[निमंत्रण, बधाई, सलाह - संबंधित]

अनुच्छेद - * समाचार पत्रों का महत्व
* समय का सदुपयोग
* प्रदूषण

संवाद - (सामान्य विषय पर)

JUNE MONTH

पाठ - दो बैलों की कथा

पद्य - रैदास

व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, निपात

दो बैलों की कथा

मेरी समझ मेरे विचार

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए

P. No. 17

1. जब हीरा और मोती नए मालिक के यहाँ गए, तो उन्हें वहाँ प्रेम और
उत्तर अच्छा व्यवहार नहीं मिला, उनसे कठोरता से काम लिया गया, मार-पीट की गई और भरपेट भोजन भी नहीं दिया गया। इस अन्याय और अपमान के कारण उन्होंने विरोध स्वरूप काम करने से इंकार कर दिया।

2. बैलों का घर लौट आना साधारण घटना
उत्तर नहीं है, क्योंकि उन्होंने मजबूत पगहे तोड़कर, रात में अनजान रास्तों से गुजरते हुए बिना किसी मार्ग दर्शन के अपने घर का रास्ता ढूँढ लिया। यह उनकी समझदारी, स्मरण-शक्ति और अपने मालिक के प्रति गहरे प्रेम और निष्ठा को दर्शाता है।

3. कहानी में कई घटनाएँ यह सिद्ध करती हैं
उत्तर कि कभी-कभी संघर्ष करना आवश्यक हो जाता है। जब हीरा और मोती नए मालिक के अत्याचार सह रहे थे, तो मोती ने कहा कि अब और सहा नहीं जाता। इसके बाद उन्होंने काम करने से इंकार किया और रस्सी तोड़कर भाग निकले। रास्ते में भी उन्होंने अनेक कठिनाइयों और खतरों का सामना साहसपूर्वक किया। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि

अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करना आवश्यक होता है, तभी मुक्ति और सम्मान मिल सकता है।

4. उत्तर हीरा और मोती 'अपनापन' की भावना से अधिक प्रेरित थे। यद्यपि उन्हें आज़ादी मिल गई थी, फिर भी वे अपने पुराने मालिक झूरी के पास लौट आए, क्योंकि वहाँ उन्हें प्रेम, स्नेह और सम्मान मिलता था। इससे स्पष्ट है कि उनके लिए केवल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि अपनापन अधिक महत्वपूर्ण था।

5. उत्तर हाँ, मैं इस कथन से सहमत हूँ कि "अत्याचार सहना भी अन्याय में भागीदारी है"।

यदि कोई व्यक्ति या जीव अन्याय को चुपचाप सहता रहता है, तो अत्याचारी का साहस बढ़ता है और वह और अधिक अन्याय करने लगता है। कहानी में हीरा - मोती ने जब नए मालिक के अत्याचार को सहन करना उचित नहीं समझा, तो उन्होंने काम करने से इंनकार कर दिया यह उनका विरोध था, जिसने दिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना जरूरी है।

इसलिए, अन्याय को सहना गलत है उसका विरोध करना ही सही मार्ग है। तभी समाज में न्याय

और समानता बनी रह सकती है।

6. हीरा और मोती के अभिन्न मित्र होने के प्रमाण निम्न घटनाओं से मिलते हैं —

* हमेशा साथ रहना। दोनो हर समय साथ रहते थे और अलग होना पसंद नहीं करते थे।

* कठिन समय में साथ देना, नए मालिक के यहाँ अत्याचार सहते समय भी दोनो ने एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा।

* संघर्ष में सहयोग : सांड से मुकाबला करते समय दोनो ने मिलकर उसका सामना किया।

* घर लौटने का निर्णय। दोनों ने साथ मिलकर रस्सी तोड़ी और अपने घर लौट आए।

7. मालकिन और छोटी लड़की के व्यवहार की तुलना —

* मालकिन - शुरु में बैलों के प्रति कठोर थी और उन्हें ससुराल भेज दिया।

* छोटी लड़की - बैलों के प्रति दयालु और सहानुभूति थी, उन्हें खाना देती थी।

लड़की का व्यवहार प्रेम और करुणा से भरा था, जबकि मालकिन का व्यवहार अपेक्षाकृत कठोर था।

रैदास के पद

I. मेरी समझ मेरे विचार

1. उ० इस पंक्ति का अर्थ है – 'हे राम! यदि आप मुझसे नाता तोड़ भी दें, तो भी मैं आपसे अपना नाता नहीं तोड़ूंगा"

* यह पंक्ति रैदास के अटूट विश्वास और एकनिष्ठ प्रेम को दर्शाती है।
* रैदास यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उनका और ईश्वर का संबंध किसी सांसारिक स्वार्थ पर टिका हुआ नहीं है। बल्कि यह आत्मा का परमात्मा से गहरा जुड़ाव है।
* भक्त अपनी ओर से समर्पण होकर पूरी तरह ईश्वर के चरणों में सौंप चुका है।

2. उ० रैदास ने तीर्थ और व्रत (बाहरी कर्मकांड) के स्थान पर भगवान के चरणों में सच्ची भक्ति और विश्वास को प्रमुख आधार माना है। उनके अनुसार ईश्वर कहीं बाहर नहीं बल्कि स्वयं के भीतर समाए हुए हैं, जिसे प्रेम और समर्पण द्वारा पाया जा सकता है।

मेरे विचार से भक्त के आधार हो सकते हैं –

* मानवता की सेवा : दीन-दुखियों की मदद करना ही सच्ची ईश्वर सेवा है।

* शुद्ध अंतःकरण : मन में छल - कपट न रखना।
* सभी प्राणियों के प्रति दया - भाव रखना।
* अहंकार का त्याग
* निरंतर स्मरण : ईश्वर को केवल संकट में नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षण में याद रखना।

3

उत्तर

भगवान	भक्त	संबंध का भाव
(i) चंदन	पानी	जैसे पानी में चंदन मिलने पर उसकी सुगंध अंग - अंग में बस जाती है।
(ii) घन	मोरा	काले बादल को देखकर मोर खुशी से नाचने लगता है।
(iii) चंद्र	चकोरा	चकोर पक्षी चंद्रमा को देखकर एकटक निहारता रहता है
(iv) दीपक	बाती	जैसे बाती जलकर दीपक के प्रकाश को फैलाती है।
(v) मोती	धागा	धागा मोतियों को पिरोकर एक सुंदर माला बनाता है।
(vi) सोना	सुहागा	जैसे सुहागा सोने की अशुद्धि दूर कर उसे चमका देता है।
(vii) स्वामी	दासा	भक्त स्वयं को ईश्वर का समर्पित सेवक मानता है।

NOTE: बाकी के प्रश्न कक्षा में चर्चा करें। अभ्यास करवाएँ।

व्याकरण भाग

संज्ञा

1. संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उ० किसी वस्तु, स्थान, प्राणी, अवस्था, गुण या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। उदा - रमेश, बिल्ली, मुंबई, मेज आदि

2. संज्ञा के कितने भेद हैं? उनके नाम लिखिए।

उ० संज्ञा के तीन भेद हैं -

* व्यक्तिवाचक संज्ञा
* जातिवाचक संज्ञा
* भाववाचक संज्ञा

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उ० जिस संज्ञा शब्द में किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान विशेष का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
उदाहरण - तुलसीदास, ताजमहल, मीरा, भारत, कलम आदि।

4. जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उ० जो संज्ञा शब्द किसी प्राणी, स्थान या वस्तु की पूरी जाति का बोध कराएँ, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - बालक, जानवर, फूल

गाँव आदि।

8. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उ० गुण, दोष, भाव, दशा, अवस्था, स्वभाव आदि का बोध करवाने वाले संज्ञा शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - बचपन, शक्ति, अंहकार, माधुर्य, उदारता आदि।

NOTE: अभ्यास सामान्य होंगे। (General)

शिक्षक विद्यार्थियों को कार्य पत्र (Worksheet) द्वारा सिखाए अथवा अभ्यास करवाएँ।

सर्वनाम

1. सर्वनाम किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

उ० संज्ञा के बदले प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे - मैं, आप, हम, वह, इन्होंने आदि।

2. सर्वनाम के कितने भेद हैं? उनके नाम लिखिए।

उ० सर्वनाम के छह भेद हैं -
(i) पुरुषवाचक (ii) निश्चयवाचक (iii) अनिश्चयवाचक
(iv) प्रश्नवाचक (v) संबंधवाचक (vi) निजवाचक

3. पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने प्रकार होते हैं? लिखिए।

उ० पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं — उत्तम पुरुषवाचक
मध्यम पुरुषवाचक
अन्य पुरुषवाचक

अभ्यास

क. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

1. मेरे को नाटक देखने नहीं जाना है।
उ० मुझे नाटक देखने नहीं जाना है।

2. वहाँ बरामदे में क्या बैठा है?
उ० वहाँ बरामदे में कौन बैठा है।

3. वे क्या खाया था?
उ० वह क्या खाया था।

4. जैसा करनी, उसे भरनी।
उ० जैसी करनी, वैसी भरनी।

5. वह कौन की चादर है?
उ० वह किसकी चादर है।

NOTE: सामान्य अभ्यास देकर विद्यार्थियों को समझाएँ।

निपात

निपात किसे कहते हैं?

उ० जो अव्यय शब्द किसी शब्द या पद के बाद लगकर उसके अर्थ पर विशेष बल (ज़ोर) देते हैं, उन्हें 'निपात' कहते हैं। उदा : भी, ही, तो, केवल आदि।

सही निपात शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. मुझे _____ (ही / भी) दिल्ली जाना है, कोई और नहीं जाएगा।

2. उसने मुझसे बात _____ (तक / भर) नहीं की।

3. मुझे _____ (मात्र / तो) दस रुपये चाहिए।

4. तुम _____ (भी / ही) मेरे साथ चलोगे।

5. उसने रात _____ (भर / तक) जागकर पढ़ाई की।

NOTE : बच्चों को अन्य कई उदाहरणों द्वारा अभ्यास करवायें।